उत्तर प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने के लिए 75 जिलों के उद्यमी मित्रों और जीएम-डीआईसी की समीक्षा व मूल्यांकन का हुआ सफल समापन

• इन्वेस्ट यूपी द्वारा 46 दिनों में 155 महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्रों (GM DIC) और उद्यमी मित्रों का हुआ मूल्यांकन

• डीआईसी और उद्यमी मित्रों के रणनीतिक प्रशिक्षण के साथ ज़िला स्तर पर होगा निवेश सम्मेलन

लखनऊ, 18 जुलाई, 2025- उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने और निवेशकों को जमीनी स्तर पर सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से, राज्य की निवेश संवर्धन एजेंसी **इन्वेस्ट यूपी** ने **उद्यमी मित्रों** और **जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधकों (जीएम-डीआईसी)** की 46-दिवसीय राज्यव्यापी समीक्षा का सफलतापूर्वक समापन किया।

यह व्यापक समीक्षा अभियान 2 जून को मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश सरकार एवं अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त **श्री मनोज कुमार सिंह** और प्रमुख सचिव, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास **श्री आलोक कुमार** के नेतृत्व में प्रारंभ होकर 18 जुलाई को संपन्न हुआ। इसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर निवेश संवर्धन को मजबूत करना, परियोजनाओं के क्रियान्वयन को तेज़ करना तथा क्षेत्रीय चुनौतियों एवं अवसरों की पहचान करना था।

पिछले 46 दिनों में, इन्वेस्ट यूपी ने प्रदेश के सभी 75 जनपदों में गहन समीक्षा की। लखनऊ स्थित मुख्यालय में आयोजित सत्रों में जिला उद्योग महाप्रबंधक एवं उद्यमी मित्रों सहित 155 अधिकारी सक्रिय रूप से शामिल हुए। प्रत्येक जनपद टीम ने भूमि की उपलब्धता, परियोजना स्थिति, निवेशक संवाद, और भविष्य की कार्ययोजना से संबंधित तथ्यपरक रिपोर्ट प्रस्तुत की। समीक्षा का मुख्य केंद्र वित्तीय वर्ष-FY 2025–26 हेतु एमओयू निष्पादन, परियोजनाओं का परिचालन, लैंड बैंक विवरण, निवेशकों की समस्याओं का समाधान, और आउटरीच पहलों पर केंद्रित रहा।

निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त प्रश्नों का समाधान, विभागीय समन्वय तथा ₹100 करोड़ से कम निवेश वाले **200** से अधिक लीड्स की प्रगति की भी निगरानी की गई। **एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी)** को सुदृढ़ करने और निर्यात संभावनाओं को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया गया।

समीक्षा सत्रों में जनपदवार औद्योगिक प्रोफाइल पर चर्चा, खाद्य प्रसंस्करण एवं निर्माण इकाइयों के विस्तार, नीतिगत जागरूकता, और श्रेष्ठ प्रथाओं के माध्यम से क्षमता निर्माण के महत्व को भी रेखांकित किया गया।

इससे पहले, 26 से 30 मई के बीच इन्वेस्ट यूपी की टीमों ने 14 जनपदों का स्थलीय भ्रमण कर औद्योगिक क्षमताओं का मूल्यांकन किया और हस्तक्षेप योग्य क्षेत्रों की पहचान की थी। अब प्रत्येक उद्यमी मित्र और जीएम-डीआईसी को 180 औद्योगिक इकाइयों की भूमि व स्वीकृत्यों (NOC) संबंधित समस्याओं के समाधान, बीमार (बंद) इकाइयों के पुनरुद्धार और त्रैमासिक प्रदर्शन मूल्यांकन में सहयोग का दायित्व सौंपा गया है।

यह पूरी पहल **28 अप्रैल** को आयोजित उस कार्यशाला का विस्तार है, जिसमें सभी जिलों के अधिकारियों को उत्तर प्रदेश की औद्योगिक रणनीति के साथ समन्वय में लाया गया था। FY 2025–26 के लिए स्पष्ट लक्ष्यों के साथ यह

प्रयास माननीय मुख्यमंत्री जी के उत्तर प्रदेश को $1 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था और वैश्विक निवेश गंतव्य बनाने के विज़न को साकार करने की दिशा में एक मजबूत कदम है।

मुख्य सचिव **श्री मनोज कुमार सिंह** ने कहा— "यह रणनीतिक समीक्षा और अधिकारियों के लिए केंद्रित प्रशिक्षण, क्रियान्वयन को सुदृढ़ करेगा, अवरोधों को दूर करेगा और जिला स्तर पर औद्योगिक रणनीति को सशक्त बनाएगा। यह प्रयास आगामी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी **(जीबीसी)** और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट **(जीआईएस)** के लिए निवेश परियोजनाओं की समयबद्ध प्रगति सुनिश्चित करेंगे।"